Total No. of Printed Pages—4

**5 SEM TDC HINH (CBCS) C 11**

**2024**

( November )

HINDI

( Core )

Paper : C–11

**( हिन्दी नाटक एवं एकांकी )**

*Full Marks* : 80

*Pass Marks* : 32

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'अंधेर नगरी' नाटक में गोवर्धनदास के गुरु का नाम क्या है?

(ख) 'अंधेर नगरी' में हर चीज किस भाव बिकती थी?

(ग) जयशंकर प्रसाद कृत 'स्कंदगुप्त' नाटक (सामाजिक/ऐतिहासिक) नाटक है। सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(घ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में अम्बिका कौन है?

(ङ) 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी के एकांकीकार कौन हैं?

(च) 'विषकन्या' किस विधा की रचना है?

(छ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के लिए मोहन राकेश को किस पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है?

(ज) 'और वह जा न सकी' के प्रमुख पुरुष पात्र कौन हैं?

**2.** सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) "दुहाई परमेश्वर की, अरे! मैं नाहक मारा जाता हूँ। अरे! यहाँ बड़ा ही अंधेर है। अरे! गुरुजी महाराज का कहा मैंने न माना, उसका फल मुझको भोगना पड़ा। गुरुजी, कहाँ हो? आओ मेरे प्राण बचाओ, अरे! मैं बेअपराध मारा जाता हूँ।"

**अथवा**

"ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है। मैं तो इस नगर में अब एक क्षण भर भी नहीं रहूँगा। देख, मेरी बात मान, नहीं तो पीछे पछताएगा।"

(ख) "जो विलासी न होगा वह भी क्या वीर हो सकता है? जिस जाति में जीवन न होगा वह विलास क्या करेगा? जाग्रत राष्ट्र में ही विलास और कलाओं का आदर होता है, वीर एक कान से तलवारों की और दूसरे से नूपुरों की झनकार सुनते हैं।"





**अथवा**

"मेरी समझ में तो मेरे शरीर की धातु मिट्टी है, जो किसी के लोभ की सामग्री नहीं, वास्तव में उसी के लिए सब धातु अस्त्र बनकर चलते हैं, लड़ते हैं, जलते हैं, टूटते हैं, फिर मिट्टी होते हैं। इसलिए मुझे मिट्टी समझो, धूल समझो।"

(ग) "किसी संबंध से बचने के लिए अभाव जितना बड़ा कारण होता है, अभाव की पूर्ति उससे बड़ा कारण बन जाती है।"

**अथवा**

"कमजोरी और बुढ़ापे ने हमें बेबस कर दिया है। (ठहरकर) हमारे बहुत से काम अधूरे पड़े हैं। काश, हमारी जिन्दगी के दिन अभी खत्म न होते।"

**3.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×4=48

(क) "भारतेन्दु ने 'अंधेर नगरी' नाटक के माध्यम से तत्कालीन राजनीतिक व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त किया है।" इस कथन की पुष्टि पठित पाठ के आधार पर कीजिए।

(ख) नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'स्कंदगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) रंगमंचियता की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ङ) एकांकी कला की दृष्टि से 'और वह जा न सकी' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(च) 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी के आधार पर औरंगजेब *अथवा* बेगम जीनत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) 'विषकन्या' एकांकी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ज) 'स्कंदगुप्त' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

★★★

Total No. of Printed Pages—4

**5 SEM TDC HINH (CBCS) C 12**

**2024**

( November )

HINDI

( Core )

Paper : C–12

**( हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ )**

*Full Marks* : 80

*Pass Marks* : 32

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) लेखक पूर्ण सिंह ने किसान को किसके समान बताया है?

(ख) हिन्दी निबंध के तृतीय चरण को क्या कहते हैं?

(ग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रथम पुस्तक कौन-सी थी?

(घ) 'देवदारु' किसका प्रतीक है?

(ङ) 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है' निबन्ध में राम के किस रूप को प्रमुखता दी गयी है?

(च) प्रसाद जी की पुश्तैनी दुकान कहाँ पर थी?

(छ) रज़िया पेशे से क्या थी?

(ज) दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' जी का अंतिम संस्कार कहाँ हुआ था?

**2.** सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) "हल चलाने वाले अपने शरीर का हवन किया करते हैं। खेत उनकी हवनशाला है। उनके हवनकुंड की ज्वाला की किरणें चावल के लंबे और सफेद दानों के रूप में निकलती हैं। गेहूँ के लाल-लाल दानें इन अग्नि की चिनगारियों की डालियों-सी हैं। मैं जब कभी अनार के फूल और फल देखता हूँ तब मुझे बाग के माली का रुधिर याद आ जाता है।"

**अथवा**

"जिस पर अपना वश न हो ऐसे कारण से पहुँचने वाले भावी अनिष्ट के निश्चय से जो दुःख होता है। वह भय कहलाता है। बहुत छोटे बच्चे को जिसे यह निश्चयात्मिका बुद्धि नहीं होती, भय कुछ भी नहीं होता, यहाँ तक कि उसे मारने के लिए हाथ उठाये तो भी वह विचलित न होगा, क्योंकि वह निश्चय नहीं कर सकता कि इस हाथ उठाने का परिणाम दुःख होगा।"





(ख) "मगर दुनिया को देखता हूँ तो हैरत में पड़ जाता हूँ। कवि को जो कुछ लगता है, उसके लिए वाह-वाह कहके उसे सिर उठा लेती है। कुछ समझ में नहीं आता, 'हौं ही बौरी बिरह सब, के बौसे सब गाँव'।"

**अथवा**

"पर इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा, आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा को समझ नहीं पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के संभावित संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है। मन में वह प्रतीति ही नहीं होती कि अब संतान समर्थ है, बड़ा से बड़ा संकट झेल लेगी।"

(ग) "बनारस के पुराने रईसों, पंडितों, नर्तकों, लावनीवाजों, गुण्डों, गायिकाओं और फक्कड़ों की बहुत-सी अद्भुत कहानियाँ सुनाया करते थे, जो मनोरंजक होने के साथ-साथ शिक्षाप्रद भी होती थीं और जिनसे पता चलता था कि उस अतीत युग के गुणी और कलावन्त कितने उदार तथा निष्ठावान होते थे।"

**अथवा**

"प्रायः उनके छात्र और मित्र कहा करते हैं कि उनकी स्मृति-शक्ति अद्भुत है किन्तु यह सच नहीं है, अद्भुत तो उनकी विस्मृति-शक्ति है। अप्रयोजनीय बातों को वे इतनी आसानी से भूल जाते है जैसे किसी ने पट्टी पर लिखे हुए को गीले कपड़े से पोंछ दिया हो।"

**3.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×4=48

(क) 'मजदूरी और प्रेम' निबंध में पूर्ण सिंह के अभिव्यक्त विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध-कला पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है' निबंध की कथावस्तु लिखिए।

(ङ) शिवपूजन सहाय के 'महाकवि जयशंकर प्रसाद' रेखाचित्र के आधार पर प्रसाद जी के व्यक्तित्व की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(च) रेखाचित्र की विशेषताओं के संदर्भ में 'रज़िया' रेखाचित्र का विश्लेषण और मूल्यांकन कीजिए।

(छ) 'ये हैं प्रोफेसर शशांक' आत्मकथात्मक निबंध की विषय-वस्तु संक्षेप में लिखकर उसकी सम्यक् समीक्षा कीजिए।

(ज) 'दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' ' निबंध का सारांश लिखिए।

★ ★ ★